माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए

परीक्षा के नाम की सील: H.S.S.C. Exam.

केन्द्र क्रमांक की सील

C.No.251034
2009

निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

1. विषय कोड 0 0 1 परीक्षा का विषय हिन्दी
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी परीक्षा की दिनांक 12-3-09
3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर (सेट **A, B, C,** या **D**) अनिवार्यतः भरें — कोड: L-1, सेट: B

तीर के निशान से मिलाकर लगायें

पुस्तिका का ... क्रमांक **K**

परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

2	9	2	5	1	7	8	9	4

5. नीचे दिये प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों को उसी क्रम में शब्दों में लिखा जाए :–

दो	नौ	दो	पाँच	एक	सात	आठ	नौ	[illegible]

पर्यवेक्षक/केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :–

क :– संख्या शब्दों में ____ अंकों में ____

ख :– परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक 9 में है।

ग :– उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक) ________

नाम सुमनलता ... पद सहा० अध्या०

पता/संस्था DIS ...

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें, मु... उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

हस्ताक्षर केन्द्राध्य...

BSEMP

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा कि वे पृष्ठ भाग पर दिये ग... निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चि... करेंगे।

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्त... चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्य... पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कव्हर पृष्ठ पर दर्शाये अंक...

हस्ताक्षर (परीक्षक) हस्ताक्षर (...

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक/विषय/माध्यम/दिनांक एवं प्रश्न–पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :–

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोड़ें। भूल से छूटा/रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कव्हर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

③ योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 3 के अंक | कुल अंक

1 प्रश्न 1 का उ० है => → रिक्त स्थान की पूर्ति

1 का (i) उ० है => कृष्ण भक्ति शाखा

1 का (ii) उ० है => गणेश जी

का (iii) उ० है => [illegible] केशवदास

1 का (iv) उ० => श्रीकृष्ण को

1 का (v) उ० है => सूरदास जी

2 प्रश्न 2 का उ० है => → सही विकल्प का

2 का (1) उ० => भय में

2 का (2) उ० => बहू को

का (3) उ० => किशोर से

का 4 उ० => रेडीमेड [illegible]

का 5 उ० => बचपन के अनुभव

योग पूर्व पृष्ठ पृ० क्र० योग पूर्ण योग

मध्यप्रदेश

3 प्रश्न 3 का उत्तर => सत्य / असत्य

3 का (i) उ० => असत्य

3 का (ii) उ० => सत्य

का (iii) उ० => असत्य

3 का (iv) उ० => असत्य

3 का (v) उ० => सत्य

4 प्रश्न 4 का उत्तर =>

4 का (i) उ० => कठिन काव्य का प्रेत कहा जाता है — केशव दास

का (i) उ० => मैं आश्रित या अश्रय माने वाले — परिश्रमी देश

का (iii) उ० => वह सिपाही कविता के रचियता हैं — विष्णुकान्त शास्त्री

का (iv) उ० => झुकाने की सामर्थ्य है — वीर

का (v) उ० => पल्लव वचन कहा गया है — मुरली वाला

पृष्ठ के अंकों का योग

B S E M P

5 प्रश्न 5 का उत्तर => एक शब्द में उत्तर

5 का (i) उत्तर डॉ. श्याम सुन्दर दुबे

5 का (ii) उत्तर ब्रज भाषा

का (iii) उत्तर रेल की पटरियों की खड़खड़ाहट

का (iv) उत्तर महात्मा गाँधी

5 का v उत्तर रंगाले ने

S E M P

6 प्रश्न 6 का उत्तर →

उत्तर कबीर दास जी शब्द की महिमा बताते हुए कहते हैं कि शब्द की बहुत बड़ी महिमा होती है। वे आगे कहते हैं कि शब्द बोलने के लिए सावधानी की आवश्यकता होती है। न तो शब्द के हाथ होते हैं और न ही पैर फिर भी शब्द अपने अनुरूप कार्य करवा लेता है। एक शब्द वह जो असावधानी से बोला जाता है, जो घाव उत्पन्न करता है। दूसरा वह होता जो श्रोता के प्रति औषधी का कार्य करता है। यहाँ पर कबीर दास जी ने शब्द की बहुत बड़ी विशेषता बताई है।

पृष्ठ के अंकों का योग

7 प्रश्न 7 का उत्तर → (अथवा)

उ० → फूल और मालिन तब मुरझा जायेंगे जब समय आता है। यहाँ पर कवि ने उन्हें समय आने पर सब मुरझा जाते है। जिस प्रकार फूल मधु का संचय करता है और अपनी सुरभि सुगन्ध दूसरो को देता है। उसी प्रकार मालिन भी धन-धन का प्रेम का संचय करती है और वह दूसरो को प्रदान करती है। क्योंकि फूल और मालिन का हृदय एक जैसा है और समय आने पर एक दिन दोनों मुरझा जायेगे।

8 प्रश्न 8 का उत्तर (अथवा)

उ० → रहस्यवादी कविता की प्रमुख विशेषताएँ निम्न लिखित है।

(1) बुद्धि वाद की प्रधानता → इस कविता के कवियों ने बुद्धि वाद पर सबसे अधिक महत्व दिया है।

(2) चिन्तन की प्रधानता → इस कविता में कवियों ने चिन्तन पर सबसे अधिक बल दिया है।

(3) अलौकिक सत्ता के प्रति प्रेम → इस कविता में कवियों ने अलौकिक सत्ता के प्रेम पर बल दिया है।

पृष्ठ के अंकों का योग

(7) प्रतीकों का प्रयोग → रहस्यवादी कवियों ने प्रतीकों पर विशेष ध्यान दिया है
(5) जिज्ञासा की भावना
(6) इसकी प्रकृति दार्शनिक थी।

9 प्रश्न 9 का उत्तर ⇒

उत्तर → हिन्दी में उपन्यास सम्राट के नाम से विख्यात "मुंशी प्रेमचन्द जी हैं" को कहा जाता है। उनके प्रमुख उपन्यास में से निम्न हैं →
उपन्यासकार मुंशी प्रेमचन्द ⇒ (i) सेवासदन,
(ii) गोदान,
(iii) कर्मभूमि आदि हैं।

B
S
I
M
P

प्रश्न 10 का उत्तर ⇒

10 उत्तर → भय और आशंका में देखने से तो नहीं लगता कि भय और आशंका में अन्तर होगा लेकिन अन्तर निम्न है →
भय और आशंका में सूक्ष्म अन्तर है, भय में आने वाली मुसीबत की भावना के द्वारा या दुःखों की कल्पना के कारण जो मनोभाव जाग्रत होता है उसे भय कहा जाता है। जबकि आशंका उसे कहते हैं, जिसमें कष्ट से पीड़ा की आने की सम्भावना होती है लेकिन उद्वेग का बहुत कम होता है लेकिन सम्भव भी अर्थात् है।

11 क। "प्रश्न 11 का उत्तर है"

उत्तर कवि ने आयातित अंधकार कवि कहते हुए कहते हैं कि जो आयातित अंधकार होता है वह मानव निर्मित व कृत्रिम होता है जो हमारे निर्माण की सबसे बड़ी हानि है। मनुष्य आज सूर्य पर अँगुली उठा रहा है जिससे सूर्य का प्रकाश मन्द हो गया आज मानव अपनी सभ्यता व संस्कृति को भूलकर पश्चिमी सभ्यता को अपना लिया जिससे हमारे देश में अन्धकार फैलता जा रहा है आज अन्धकार से मुक्ति पाना कठिन हो गया है यदि आस्था और विश्वास के साथ अन्धकार को दूर किया जाये तो वह हमारा मार्ग छोड़ देगा। इसलिए कवि ने देश के नव युवकों को आह्वान करते हुए कहते हैं कि इस आयातित अंधकार से मुक्तिदूत बनो और देश का निर्माण करो।

12 प्रश्न 12 उत्तर।

उत्तर इसका स्थायी भाव निर्वेद है। सांसारिक सुख तथा देह की क्षणभंगुरता का ज्ञान, सत्संगम, आत्म चिन्तन और योग इसके विभाव हैं। सब प्राणियों का ध्यान परमानन्द, उपलब्धि से सजगता और शान्त भाव होकर अलग रहना इसके अनुभाव हैं।

उदाहरण → मन रे! परस हरि के चरण
सुभग शीतल कमल कोमल,
त्रिविध ज्वाला हरण।

प्रश्न 13 का उत्तर

13 का (अ) → मुहावरों का अनुवाद :-

(i) आँखों का तारा ⇒ बहुत ~~प्यारा होना~~ होना
तात्पर्य में प्रयोग ⇒ श्रवण कुमार अपनी माता-पिता के लिए आँखों का तारा था।

(ii) अंधे की लाठी ⇒ एक मात्र ~~मात्र~~ सहारा होना है।
तात्पर्य में प्रयोग ⇒ श्रवण कुमार अपनी माता-पिता के लिए अंधे की लाठी के समान था।
(ब) बुंदेली एवं मालवी मध्य प्रदेश में ~~किन-किन~~ ~~जगह बोली जाती है।~~
(i) बुंदेली भाषा ⇒ दमोह, छतरपुर, छत्तीसगढ़ में और भी जगह बोली जाती है।
(ii) मालवी भाषा ⇒ मालवा एवं ~~औचित्य~~
रीवा, रतलाम, में आदि

B S E M P

(10) 54 + 4½ = 58½

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 10 के अंक | कुल अंक

14 (प्रश्न 14 का उत्तर) परिचय

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल जी

(क) रचनाऐं → आचार्य रामचन्द्र शुक्ल जी की विभिन्न रचनायें है जिनमें निम्न है-

(i) चिन्तामणि, (ii) रसमीमांसा (iii) हिन्दी साहित्य का इतिहास

(ख) भाषा → आचार्य रामचन्द्र शुक्ल जी की भाषा संस्कृत निष्ठ खड़ी बोली का प्रयोग किया है। इसके साथ-साथ अनेक भाषाओं का प्रयोग उनके निबन्धों में मिलती है उर्दू, फारसी, आदि है। इनके निबंधों मे तत्सम शब्दों का भी प्रयोग किया है।

(ग) शैली → आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की प्रमुख शैली है गवेषणात्मक शैली को अपनाया है और व्याख्यात्मक शैली का प्रयोग किया है। उनके निबन्धों में विभिन्न है शैली है लेकिन वे सूत्रात्मक शैली के प्रवर्तक माने जाते है।

4½

(ग) साहित्य में स्थान → आचार्य रामचन्द्र शुक्ल जी का साहित्य में महत्वपूर्ण स्थान है। और शुक्ल जी प्रमुख निबंधकार एवं आलोचक भी माने जाते है। इसलिए इन्हे निबंधकार का सम्राट भी कहा जाता है। शुक्ल जी आलोचना में भी अधिक रुचि रखते थे।

4½

पृष्ठ के अंकों का योग

(11) 58½ + 4½ = 63

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 11 के अंक | कुल अंक

15 प्रश्न 15 का उत्तर → सूरदास

30 सूरदास जी का जीवन परिचय निम्न लिखित है–

(क) रचनाएँ → सूरदास जी की प्रमुख कृति निम्न हैं–

(i) सूरसागर

(ii) सूरसारावली

(iii) साहित्य लहरी आदि

(ख) भाव पक्ष → सूरदास जी का हृदय भाव बालकों की तरह था। इसलिए वे मनोविज्ञान के कवि थे। सूरदास जी ने कृष्ण भक्ति तन मन से की है कृष्ण के जन्म से लेकर अन्त तक वर्णन किया है।

(ग) कलापक्ष → सूरदास जी ने अपने काव्य जगत में अनेक ग्रंथों की रचना की। सूरदास जी के काव्य में "ब्रज भाषा" का प्रयोग बहुत अच्छे तरीके से किया इनके काव्य रसों का अपार भण्डार है वे सच्चे वात्सल्य रस के रसराज माने जाते हैं। छन्दों, अलंकारों का प्रयोग उनके काव्य में अधिक है।

साहित्य में स्थान → वैसे तो सूरदास को सभी जानते हैं कि वे कृष्ण की भक्ति में लीन रहे हैं और सूरदास वात्सल्य रस के अनुपम हीरे हैं। बालकों का वर्णन उन्होंने इतने सरल तरीके से किया है कि आज तक कोई कवि नहीं कर सकता। इसलिए सूरदास का साहित्य में महत्वपूर्ण स्थान है।

4½

BSEMP

4½
पृष्ठ के अंकों का योग

मध्यप्रदेश

प्र. 16 प्रश्न 16 का उत्तर है – (अथवा)

(अ) असल प्रकाश ... ... निर्भर रहा है।

संदर्भ => प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक के तिमिर गेह में किरण आचरण नामक पाठ से लिया गया है लेखक डॉ. श्याम सुन्दर दुबे है।

प्रसंग => यहाँ पर लेखक ने स्वयं के प्रकाश को महत्व दिया है। आदमी, आचरण प्रेम, विवेक आदि का वर्णन किया है।

व्याख्या => लेखक कहते हैं कि असल प्रकाश तो वह है जो मानव के अन्दर छिपा है अन्दर का प्रकाश इतना तीव्र होता है कि गहन सघन अन्धकार को समाप्त कर देता है आदमी का सद् चरित्र और सद् आचरण, विवेक, सहानुभूति से जो जिसके साथ व्यवहार करता है वह प्रकाशित बिना नहीं रहता है। आदमी के अन्दर जो प्रकाश छिपा है वह गहन सघन के अन्धकार को समाप्त कर उसमें प्रकाश की किरणें विकीर्ण कर देता है।

विशेष => (i) संस्कृत निष्ठ खड़ी बोली का प्रयोग हुआ है और
(ii) और मानव को स्वयं के प्रकाश के बारे में बताया गया है। मुहावरों का प्रयोग हुआ है।

B
S
F.

पृष्ठ के अंकों का योग

B S E M P

प्रश्न 17 का उत्तर

17 अ) उत्तर टूक-टूक - - - - - - जलसीना

सन्दर्भ → प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक के प्रेम और सौन्दर्य से लिया गया और रत्नाकर के पद से लिया गया है। इसके कवि 'जगन्नाथ दास रत्नाकर' हैं।

प्रसंग → यहाँ पर कविवर ने उद्धव और गोपियों के प्रसंग को बताया है।

व्याख्या → कवि कहता है कि या गोपियाँ उद्धव से कहती हैं कि हे उद्धव आप कठोर वचन रूपी पत्थर मत चलाना क्योंकि आप कठोर रूपी वचन चलाओगे तो हमारा मन रूपी दर्पण बिखर जायेगा और हमारे मन रूपी दर्पण में अनेक प्रतिबिम्ब दिखाई देंगे। गोपियाँ बोली की एक मनमोहन ने तो बनकर हमारा शरीर नष्ट कर दिया अधिक प्रतिबिम्ब दिखाई देंगे तो हमारा क्या होगा

विशेष → (i) ब्रज भाषा का प्रयोग हुआ है
(ii) अनुप्रास अलंकार है
(iii) वियोग श्रृंगार रस का अद्भुत समावेश है।

योग पूर्व पृष्ठ

18

प्रश्न 18 का उत्तर

(i) उचित शीर्षक "धर्म की महत्ता"

(ii) मनुष्य को धर्म का पालन करना चाहिए और उसे अपना उद्देश्य निर्धारित करना चाहिए साथ-साथ मनुष्य को निःस्वार्थ की भावना इसके मन में नहीं होनी चाहिए यदि मनुष्य यदि मानव ऐसा करता है तो उसका मन चंचल हो जाता है। वह अपनी आत्मा से ही कार्य करें।

(iii) धर्म के पालन के मार्ग में सबसे बड़ी बड़ी चित्त की चंचलता, उद्देश्य की अस्थिरता और मन की निर्बलता है जो सबसे बड़ी बाधा है।

BSEM

पृष्ठ के अंकों का योग

(15)

क्र. . . . पृष्ठ क्रमांक कुल अंक

19

प्रश्न 19 का उत्तर =

सेवा में,

श्रीमान जिला कलेक्टर महोदयजी,
जिला दमोह (मध्यप्रदेश) ।

विषय → ध्वनि विस्तारक यन्त्रों पर प्रतिबन्ध लगाने हेतु आवेदन पत्र ।

महानुभाव,

सविनय नम्र निवेदन है कि मैं कक्षा 12वी (अ) का छात्र हूं और मेरी परीक्षा की तैयारी बड़ी कुशलता पूर्वक चल रही है लेकिन परीक्षा की तैयारी में ध्वनि-विस्तारक यन्त्रों के कारण परीक्षा में व्यवधान उत्पन्न हो रहा है जिससे मेरा मन पढ़ाई में नहीं लग रहा है और मन में मानसिक तनाव उत्पन्न हो रहा है।

अतः श्रीमानजी जिला कलेक्टर महोदयजी से मेरा विनम्र निवेदन है कि वे इन ध्वनिविस्तारक यन्त्रों पर रोक लगाये और मुझे पूर्ण विश्वास है कि वे यन्त्रो पर रोक लगादेंगे मैं उनका आभारी रहूँगा।

धन्यवाद

दिनांक
12-3-09

आपका आज्ञाकारी शिष्य
रोलनं. 292517856
विषय = (आर्ट)
कक्षा 12वी

B S E M P

20 प्रश्न ~~20 का 30 है~~ (i) प्रदूषण : कारण और निदान

(1) प्रस्तावना
(2) प्रदूषण का अर्थ –
(3) प्रदूषण के कारण –
(4) प्रदूषण का निदान
(5) उपसंहार

(1) प्रस्तावना => पहले हमारे देश में प्रदूषण नहीं था। लेकिन जैसे हमने अपने औद्योगिक विकास की ओर ध्यान दिया तो उसमें हमें उद्योगों की स्थापना की, और जनसंख्या में भी वृद्धि होने से प्रदूषण फैला है। तीव्र नगरीकरण और विकास प्रदूषण इस प्रकार फैल गया है कि मानव का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। आज मानव के लिए स्वच्छ स्थान पर रहने के लिए नहीं भी ~~मई~~ मिलता मलिन बस्तियों में वृद्धि होती है। और प्रदूषण फैलता गया है।

(2) प्रदूषण का अर्थ => प्रदूषण का शाब्दिक अर्थ है गन्दा करना, आज प्रदूषण ने समाज को इतना प्रदूषित कर दिया है कि मानव का जीवन खतरे में पड़ गया है और वह प्रदूषण के कारण न तो मानव साँस लेने के लिए वायु स्वच्छ है।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

और न ही मानव के लिए पीने के लिए जल स्वच्छ है और कीटनाशकों की वजह से भूमि प्रदूषित हो गयी है। स्वच्छ जल न होने से और न स्वच्छ वायु होने से मानव जीवन जीने की कल्पना नहीं की जा सकती है। आज प्रदूषण ने अपने हाथ इस प्रकार से पसार लिये हैं कि मानव रहने के लिए जगह नहीं है।

(ङ) प्रदूषण के कारण ⇒ आज हमारे देश में प्रदूषण के इतने कारण हैं कि हम उनका वर्णन नहीं कर सकते लेकिन कर भी सकते हैं जो निम्न है –

(i) जनसंख्या में वृद्धि ⇒ जनसंख्या वृद्धि के कारण आवास की समस्या उत्पन्न हो जाती जिससे मलिन बस्तियों का निर्माण होता है प्रदूषण बढ़ता जाता है।

(ii) वृक्षों की कटाई ⇒ आज मानव वृक्षों की कटाई पर इतना गम्भीर हो गया है कि मानव ने वनों को साफ कर दिया जिससे हमारे देश में प्रदूषण तो बढ़ा लेकिन अन्य समस्याओं ने जन्म लिया है। वर्षा की अधिक या कमी बाढ़, भूकम्प, आदि

(iii) औद्योगिकीकरण ⇒ उद्योगों से निकलने वाले दूषित पदार्थ पर्यावरण को प्रदूषित करते हैं।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

(iii) जल प्रदूषण → आज जल इतना दूषित होगया हैं कि पीने के लिए स्वच्छ जल नहीं मिल पा रहा हैं।

(iv) वायु प्रदूषण → वायु भी इतनी दूषित हो गई है कि मानव को सांस लेने के लिए स्वच्छ वायु नहीं मिल पा रही हैं जिससे मानव जीवन खतरे में पड़ गया है।

(4) प्रदूषण से बचाव या समाधान → प्रदूषण से बचने के लिए निम्न उपाय अपनाये जा सकते हैं वो निम्न हैं

(i) जनसंख्या वृद्धि पर रोक लगाना चाहिए जिससे प्रदूषण कम हो सके।

(ii) वृक्षों की कटाई पर रोक लगाना जिससे प्रदूषण से बचा जा सके।

(iii) ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर रोक लगाना और ताकि प्रदूषण कम हो सके

(iv) मृदा प्रदूषण को रोकने के लिए वैज्ञानिक तरीके से खेती करना

स्वच्छ जल की पूर्ति करवाना हो

(5) उपसंहार → प्रदूषण समस्या हमारे लिए या हमारी सभ्यता व संस्कृति पर दाग के समान लग है। इससे छुटकारा पाने के लिए हमे योजनाओं का निर्माण करना हो संगठनों का निर्माण करना और समितियों का निर्माण करना हो

पृष्ठ के अंको का योग

यदि हम प्रदूषण की समस्याओं पर विजय प्राप्त कर लेते है तो हम अपना और समाज को देश का विकास कर सकते है यह एक अन्तराष्ट्रीय समस्या है इसको दूर करने के लिए राष्ट्रीय स्तर अन्तराष्ट्रीय स्तर संगठन का निर्माण करना चाहिए।

BSEMP

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 20 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 21 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 22 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

23

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 23 के अंक = कुल अंक

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 24 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग